

परमार्थी वि. (तत्.) 1. यथार्थ तत्त्व को खोजने वाला, परमार्थ को जानने वाला 2. तत्त्वजिज्ञासु 3. मुमुक्षु, मोक्ष चाहने वाला।

परमावधि स्त्री. (तत्.) किसी कार्य या संदर्भ की अंतिम सीमा।

परमावश्यक सेवाएँ पुं. (तत्.+तद्.) सर्वसाधारण को मिलने वाली पानी, बिजली, स्वच्छ हवा तथा सफाई आदि सुविधाएँ।

परमाह पुं. (तत्.) शुभ दिन, पुण्य दिवस, अच्छा दिन।

परमुखत्व पुं. (तत्.) 1. विमुख होने का भाव, मुख दूसरी ओर होने का भाव 2. जो ध्यान न दे, प्रतिकूल आचरण या अपेक्षा।

परमुखापेक्षिता स्त्री. (तत्.) दूसरे का मुख देखने की वृत्ति, किसी अन्य पर आश्रित रहने का स्वभाव।

परमेश्वर पुं. (तत्.) 1. सृष्टि का कर्ता और परिचालक, सगुण ब्रह्म 2. विष्णु 3. शिव 4. ब्रह्म 5. इंद्र का नाम 6. चक्रवर्ती नरेश।

परमेश्वरी स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा, देवी का नाम 2. वि. परमेश्वर संबंधी।

परमेष्ठि पुं. (तत्.) चतुर्मुख ब्रह्म, प्रजापति।

परमेष्ठिनी स्त्री. (तत्.) 1. परमेष्ठी की शक्ति, देवी 2. श्री 3. वाग्देवी, सरस्वती 4. ब्राह्मी जड़ी बूटी या वनस्पति।

परमेष्ठी पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा, अग्नि, आदि देव 2. तत्त्व 3. प्राचीन काल में प्रचलित एक यज्ञ 4. शालिग्राम की एक विशिष्ट प्रकार की मूर्ति 5. विष्णु 6. शिव 7. विराट पुरुष 8. मनु 9. गरुड़ 10. गुरु, शिक्षक 11. जैनियों के एक जिन।

परमेसरी पुं. (तद्.) दे. परमेश्वरी।

परराष्ट्र पुं. (तत्.) 1. शत्रु का राज्य 2. स्वराष्ट्र के अतिरिक्त कोई अन्य राष्ट्र।

परराष्ट्र-नीति स्त्री. (तत्.) अन्य राष्ट्रों के प्रति किए जाने वाले व्यवहार के समय प्रयुक्त की जाने वाली नीति।

पररु पुं. (तत्.) नील भृंगराज, नीली भंगरैया।

परला वि. (तत्.पर+हि.ला.प्रत्यय) 1. उधर का, दूसरी ओर का 2. बहुत ही बड़ा-चढ़ा, अत्यधिक यथा- परले सिरे का मूर्ख।

परलोक पुं. (तत्.) 1. दूसरा लोक 2. शरीर छोड़ने पर आत्मा को मिलने वाला दूसरा स्थान या लोक यथा- बैकुण्ठ लोक, स्वर्ग लोक आदि मुहा. परलोक गामी होना- मृत्यु; परलोक सुधारना- मरने के बाद अगला लोक अच्छा करना, सद्गति का प्रयास करना; परलोक बिगड़ना- मृत्यु के पश्चात् अच्छालोक न मिलना; परलोक सिधारना- मृत्यु।

परलोक गमन पुं. (तत्.) मृत्यु।

परलोक प्राप्ति स्त्री. (तत्.) मृत्यु।

परवर पुं. (देश.) 1. परवल 2. आँख का एक रोग।

परवरदिगार पुं. (फा.) 1. पालक, पालने वाला, पोषक 2. ईश्वर।

परवरिश पुं. (फा.) पालन, पोषण।

परवर्ती वि. (तत्.) बाद में होने वाला, बाद का।

परवल पुं. (तद्.) एक प्रसिद्ध लता तथा जिसके फल की सब्जी भी बनाई जाती है।

परवश वि. (तत्.) 1. जो दूसरों के वश में हो, पराधीन 2. जो दूसरों पर निर्भर हो।

परवश्य वि. (तत्.) जो दूसरे के वश में हो, पराधीन।

परवश्यता स्त्री. (तत्.) पराधीनता।

परवा पुं. (देश.) 1. कटोरे के आकार का मिट्टी का बना बरतन 2. पक्ष की पहली तिथि, पड़वा स्त्री. (फा.) 1. चिंता, व्यग्रता, आशंका यथा- मुझे किसी की परवा नहीं 2. ध्यान, ख्याल, किसी कार्य या भाव में निमग्न अथवा दतचित्त होने का भाव यथा- बच्चों की पढ़ाई लिखाई की भी परवा करो 3. भरोसा, आसरा यथा- जिसका